



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

106206



मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री
मुख्यमंत्री

सिवाय लिंगम्

प्रधान के दरवाजे - ₹ १०,६२,४५६/-
लाल गुरु - ₹ १०,४३,८४०/-
भाषा लिंग गो वर्षा - ₹ १०,६२,४००/-

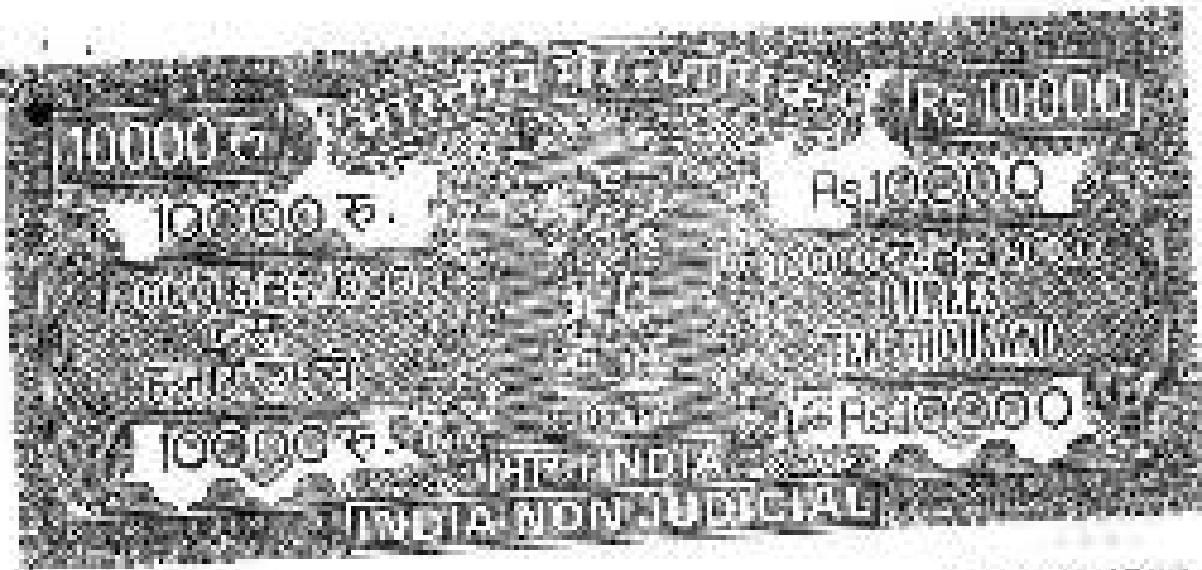
- | | | | |
|----|-----------------|---|------------------------|
| 1. | मुख्यमंत्री | - | मुख्यमंत्री |
| 2. | लाल गुरु | - | लाल गुरु |
| 3. | गो वर्षा | - | गो वर्षा |
| 4. | समाज सभा लिंगम् | - | समाज सभा लिंगम् ५% रकम |

प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री

लाल गुरु

गो वर्षा



०.१३८ ३० नवां संख्या २६७
 ०.१५३ ३० जून संख्या
 ०.२० ४५३ ०.२०२ ३० जून
 ०.२५८ १११२ जून ०.२०२ ३०
 छत्तीसगढ़ १११३ ४५३ ०.२०२
 ३० जून ०.२०२ १११४ ४५३
 ०.२१५ ३० अक्टूबर संख्या १११५
 ०.२२८ ३० अक्टूबर संख्या
 ०.२३१ ३० अक्टूबर संख्या
 ०.२३१ ३० अक्टूबर संख्या

०.२३१

भारतीय गैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 584435

५२०० रुपया ०.१०१ लेट व पुर्ण
पाँच हजार रुपया भिन्ना रुपया
१३९४ लेट लिख राम- बड़ीन,
एहमा विजनी, ताल्लीका न भिन्ना
लग्नकः।

- | | |
|--------------------|---|
| १. मात्र की ईवान | - |
| २. सम्बिल का विवरण | - |
| ३. घटना की इमारत | - |
| ४. सम्बिल ज प्रवास | - |
| ५. पंडी की इमारत | - |

- | | |
|--------------------------------|---|
| ५२०० रुपया | - |
| ०.३९४ लेट व आ | - |
| सुलानपुर गोदा न अनारेहर एवं मे | - |
| ताल्लीका २०० रुपया नी अदिल | - |
| ५२०० | - |

२०१८

भारतीय गैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 894436

10. विलायकुल नम्बर - पूर्ण न हो है।

विलायकुल नम्बर वर्तमान

उत्तर	: उत्तरा नं०-४७२, ४७५, ४७७
दक्षिण	: दक्षिणा नं०-४३४, ४३१
पूर्व	: उत्तरा नं०-४७७, ४७९
पश्चिम	: उत्तरा नं०-४९५

संकुल वीलबुडी जाम्या नं० ५३५, ५७०

उत्तर	: उत्तरा नं०-१६७, १६९
दक्षिण	: उत्तरा नं०-९६७, ९५२
पूर्व	: उत्तरा नं०-१७१, १७२

पृष्ठा का संग्रह

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 584437



संकेत संख्या नं० ११२.११३.११४.११५

प्रमुख चौकड़ी वर्ग नं० ११२.११३.११४.११५

उत्तर	: लखनऊ ८०-११२१, ११२६
लखनऊ	: लखनऊ ८०-१११५, ११०५, ११०६
यूर	: लखनऊ ८०-१११५, १११७, ११२१
नैश्वम	: लखनऊ ८०-११३१, ११२४

बोर्डो उत्तर नं० ११२३

उत्तर	: लखनऊ ८०-११२१
वर्धमान	: लखनऊ ८०-११२४, ११२२
काशी	: लखनऊ ८०-११२१

गोप्यम्

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 881041



पटि : प्रसव नं०-1124

मोल्डी प्रसव नं०-9288

उत्तर : प्रसव नं०-420

दक्षा : प्रसव नं०-444

पूर्व : प्रसव नं०-929

निमग्न : सहार नं०-133, १६५

द्रव्यम प्रसव दो : ₹५००- 5

क्रिकेटार्स एवं इवर्ड्स

1. अदित्य 2. रमेश
द्रव्यम हजार 3. रामलक्ष्म

क्रिकेट दो (म्भ- 1)

प्रसव दो

प्रसव दो सिंगापुर लिखारी प्रसव
मिशनपुर विटारी पी० नीर्मल, तामसा

भारतीय नैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1381042



गुरु रामचंद्रन क. राजासह
(नायक), गुरु रामचंद्रन
द्वारा संस्थापित यथा विनीती
लखाचूर्द्धरे व नवय 5. बीमाली
सरकूर्द्धरे यारी स्वरूप
एवं उत्तर प्रदेश निवासीय- प्राप-
द्योता, परमाणु भेजनीर
तहसील व विलास अधिकारी।

वार्षिक रुपये

अ. निवा. एवं शुरु।

अ. निवा. एवं शुरु।

लेखा नम्रता

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVETHOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 96/1043



एवं निम्न विज्ञप्ति । १. वडिला २. रामलीला मुख्यगां बुजारी ३.
शमशहार गुज एमलोशब्द ४. रामसाहर (गवाहालग) गुज एमलोशब्द छारा
लंगडिलाव नाम शीमने मारालूर्हे व स्वय ५. शीनली लालगुड्हे पानी म्हण
दामलेलाल निकरीनग घाग चरोला, पराला फिरनोर तद्दील न विना
लक्ष्यनका विन्हे डांग विन्हेल खज गधे ६. गवाहु विरेच मुख शिवगाम
निश्चली ग्रन निरासुर भिटाही गोठ नौसीध, तड़सोला व विला फलेश्वर विन्हे
अगे शेषा इस गवाहे को न्यू विष्यादित विवा गया।

प्रियो-८

भारतीय नैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

805152

सह कि विकलागम सूने रुपये १०८ लखा ०.१३७ टो.
दसवा सहया ७६८ लखा ०.२५२ टो. अर्था तेज्ज्या ६७० रुपया ०.२०२
टो. ज्ञाना गम्य १११२ रुपया ०.२०२ टो. अलग तंभा ११०३ लखा
०.१७७ टो. दसवा लंभा १११४ लखा ०.२१५ टो. ज्ञाना तंभा
१११५ रुपया ०.२८८ टो. दसवा लंभा ११२३ लखा ०.१११ टो. चूल
लंभा १.४६७ टो वा १५३ रुपया ०.२६३१ टो वा शत्रुघ्ना सहया
१२५८ रुपया ०.१११ टो वा एक रुपया ०.१२५ रुपया वर्षा
०.३६४४ टो विष्णु रुपया नीना वर्षा विनीरा वल्लीरा विस

८८८-२८८१

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 609133

- 3D -

जनरल आ गोवर्नर व बरेली इ द्वारा ड्यूसेट स्पेशल
न्यायिक लंबाई इन रुपया 10000 रु 10000 के अनुसार एक
विज्ञानग वे नाम सम्पर्कीय चून्हिकर के रूप में उन के और विज्ञानग
के नाम का उम्मत नामक गणव लंबितों में हो रहा है। विज्ञान वे
पैदों का सहज आवश्यकता के कारण विज्ञानग लंबना हम्मुदी विज्ञान एवं
वास्तव इन विषय लंबित छार विषय कर रहे हैं विकेन्द्रिय आरोग्य सम्बूद्धि
मूले के पश्चिम, दक्षिण एवं उत्तर भूमि के उपर साथ में उक्ता भूमि
मूले पूर्ण है और इह मूल भूमि का दिला नहीं है। यह विज्ञान

विज्ञान

विज्ञान

भारतीय नौरायांचिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

1. 302073



सिंहलाला ५०, होमिन कला है जिसका वर्णन मृत शरीर इकार के
वाय से पूर्ण रूप से बदल दिया जाता है तथा उन्होंने उसे इस विकल के
जैसे लाल, हिंग, गोबर वा अनुबर्चित छवाए गए थे।
सिंहलाला ने ज्ञान धूष पर कुर्क छाप वा अन्य प्रवाह का भौं बाज नहीं
लिया है। यहि नहीं ऐसा बाज गर्वित है जो एक विमोदर
सिंहलाला के टलवे चलाना वा विशेष उत्तराखण्डी लेते। उत्तराखण्ड
वा उत्तराखण्ड वाली जागता वा नामांग वार्षिकी व अन्यांश
विकास वा वस्तु विषय नहीं है, वा वी चुक्के इस्तोड़ है। सिंहलाला दे

लोट्टू

३०. १०. १९६१

भारतीय गोर्जा न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 902094

- 12 -

अमरा उत्तर प्रदेश ने कर्ता अन्व प्रिंट का अन्व, लेन या दावा इत्यादि
नहीं है। एवं निम्नान्व को अन्व केवल अन्वारण करने पर युर्ज अन्वारण
प्राप्त है। अतएव उपर्युक्त उपाय के कलालकर गुल किसी मूल्य का
6.23,465/- के प्रतिशत है। निम्नर उपरोक्त के द्वारा निम्नान्व दो
इस निम्नधा ने अन्व ये दो वह अनुमूली में वांछत गोर्जा के अनुलाभ
प्राप्तान नह दिया गया है एवं निम्नान्व प्राप्ति को विवरणित यही स्वीकार
करते हैं। अतएव उपर्युक्त उपाय के द्वारा उपरोक्त दोषित
भूमि, विलक्षण किसी इन विकार दिलेख के अन्व ये अनुहृति के इन्द्रिय

गोर्जा

दिलेख

भारतीय नौसेना

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

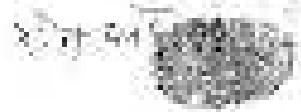
भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G-502075



मिया गाय है, को बहु बेन भिया है, एवं विदेशाम ने मिल्क्सुग द्वारा
जो पैके पर बल्ला जूता की चमुचम गर दिया गया है। अब उस आरसी
नर विदेशाम तथा उसके वारिक्षय एवं शहं अधिकारी नहीं हैं। विदेशाम
ने मिल्क्सुग शब्दित एवं उपने स्वामित्व के साथ अधिकारी द्वारा
पुण्यत्व व लैंडो के लिए फैला दी गयानालिंग का देखा है। अब फैला
विदेशाम ज्ञानार्थी एवं उसके प्रमुख भाइ को उपने ज्ञानात् स्वामित्व व
अधिकार ने इसी में आपत्ति में रुपये १०० रुपयोग व त्रुपयोग
होते हैं। विदेशाम व उसके वारिक्षय उपरे जिसी त्राह की अक्षवन भवा
है।



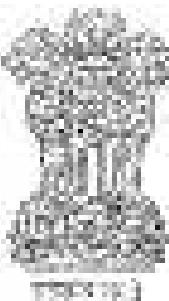
भारतीय न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE
HUNDRED RUPEES



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

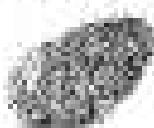
उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0 302096



गणी यशो लक्ष्मी दांडा नं ग्रीष्म नंग नं वार्षि और पर्व इन्द्रवरुद्ध
सम्पत्ति अधिकारी कोइ भग शिवाया है नमित में इटि के प्राप्त तो
काली भद्रबन वा जगूरी गुर्दे के करण चेता तो उल्लेख यात्रा
निष्पत्तिया लाइ के कद्दी वा शिवकार वा त्याव ने नमज्ज तांडे तो
देता छावे वारिसाल नियायिक इष्टिक जो ए लक होता हि त्वा
अपन तामत नुकसान नव हो व अना विंशताया वे वा, अनह
सम्पत्ति थे जारी भवाना ज्ञान भर हो। उह शिवाया में विन्दा एवं तांडे
वारिसाल हो व अली हो देतु यथा लीन।

मिठा



यह एक विकलाग्र रूप ही बोलित करता है जिसे उन्होंने अपने अधिकारी संसदीय प्रतिक्रिया, उच्चाल तथा उच्चार आवश्य एवं विद्युत विभाग, लक्ष्मण नवा इन्डिया में समर्थाएँ आवश्य एवं सललहरी संघर्ष लगाए विप्रवर्षीय नहीं की जाती है वहाँ न ही प्रतिक्रिया है।

यह यह अंतर्राष्ट्रीय सम्बलिंग की विभिन्न आवश्यकताओं में अपने नम रूप का है तो विकलाग्र नवे और अपनी आपत्ति न होने और यह कि इस विकलाग्र संघर्ष के पूर्व वह उन्हें करता है कि वह वह भार इस दृश्यता पर लेता ही उन्होंने विकलाग्र भारतीय व उत्तर भारतीय, विकलाग्र की विद्युत वापरण - होने।

यह यह उपरोक्त आवश्यक नवशर प्राप्त वर्णन अद्वितीय रूप के आवश्यक भार के अवर्तन भार है इसके विवरित सर्वित रैट रुप 11,00,000/- ग्राम विकलाग्र विभाग से दिया गया है उपरोक्त विकलाग्र की मात्राएँ रुप 6,33,810/- होती है जब विकलाग्र पूर्व भार विकलाग्र मुक्ति से जिम्मे के इस्तेवा विवाहानुभाव विवर मुक्ति पर है रुप 62,400/- लगातार रुप अब यह जो रखा है यह कि उपरोक्त विवर मुक्ति कृषि के उन्होंने देते हुए इस की जो रही है। शून्य जो लड़के हाथ रुपानि भारत नहीं है वह यह विकलाग्र जो आवश्यक विकलाग्रीय नहीं वह यह है वह विकलाग्र, कुपानि जी नहीं है, जब उस घोषणा के

अवधार में जीहे नियम नहीं हैं जिसका गृष्ण लिखी गई थी। यद्यपि ये अवधार में लगभग सभी नियम नहीं हैं। उसका बुरा बुलावन्पूर्व दोष से उस अपार धर्मीय गद से लगभग 300 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। जिसका एड क्लो गेन अनुमति नहीं के बाब्ल है। इस नियम के नियन्त्रण का ममल एवं क्लो गेन का एक ग्राह है।

शिशुन का जिक्र कर जिसका ने जीता को एवं गो लिया तथि राष्ट्र को बीज अवश्यकता पड़ते थे यह एक विद्या

प्राचीन: भूगोल नियम

1. जिसका एड रु 2,07,60/- द्वारा केव लैला-उच्चन्दु-ए। नियन्त्रित 02.07.2007 पश्चिम नेवनह ईंट, ज्योतिर्गंग लक्ष्मण झेता से प्राप्त हुआ।
2. जिसका एड 2,07,522/- 3.0 वेज लैला 56,65/- नियन्त्रित 02.07.2007 पश्चिम नेवनह ईंट, ज्योतिर्गंग लक्ष्मण झेता से प्राप्त हुआ।
3. जिसका एड 69,274/- द्वारा केव लैला 3,87,95/- नियन्त्रित 02.07.2007 पश्चिम नेवनह ईंट, ज्योतिर्गंग लक्ष्मण झेता से प्राप्त हुआ।
4. जिसका एड 1,58,543/- द्वारा केव लैला 2,89,75/- नियन्त्रित 02.07.2007 पश्चिम नेवनह ईंट, ज्योतिर्गंग लक्ष्मण झेता से प्राप्त हुआ।

इस मास्र वित्तवयम् ने पुल लिया मूल्य 5,23,406/- है।
ठ. जापा नेहंस इगर ए. ए. आहर नव. केना से पाल द्वारा लिया गया वित्तवयम् विवर करने हेतु जब चलेत वे दोना से खुद भी
केना प्रेत नहीं है।

उत्तराक

दिनांक : 02.07.2007

ग्राम नेहा की पहचान ने

प्रियोग नहीं किया है।

प्रियोग नहीं किया है।

प्रियोग नहीं किया है।

2. नेहा की पहचान ने

प्रियोग नहीं किया है।

प्रियोग नहीं किया है।

प्राणाली

(प्राणाली)

मिशन एवं लक्षण

नेहा की पहचान

प्रियोग

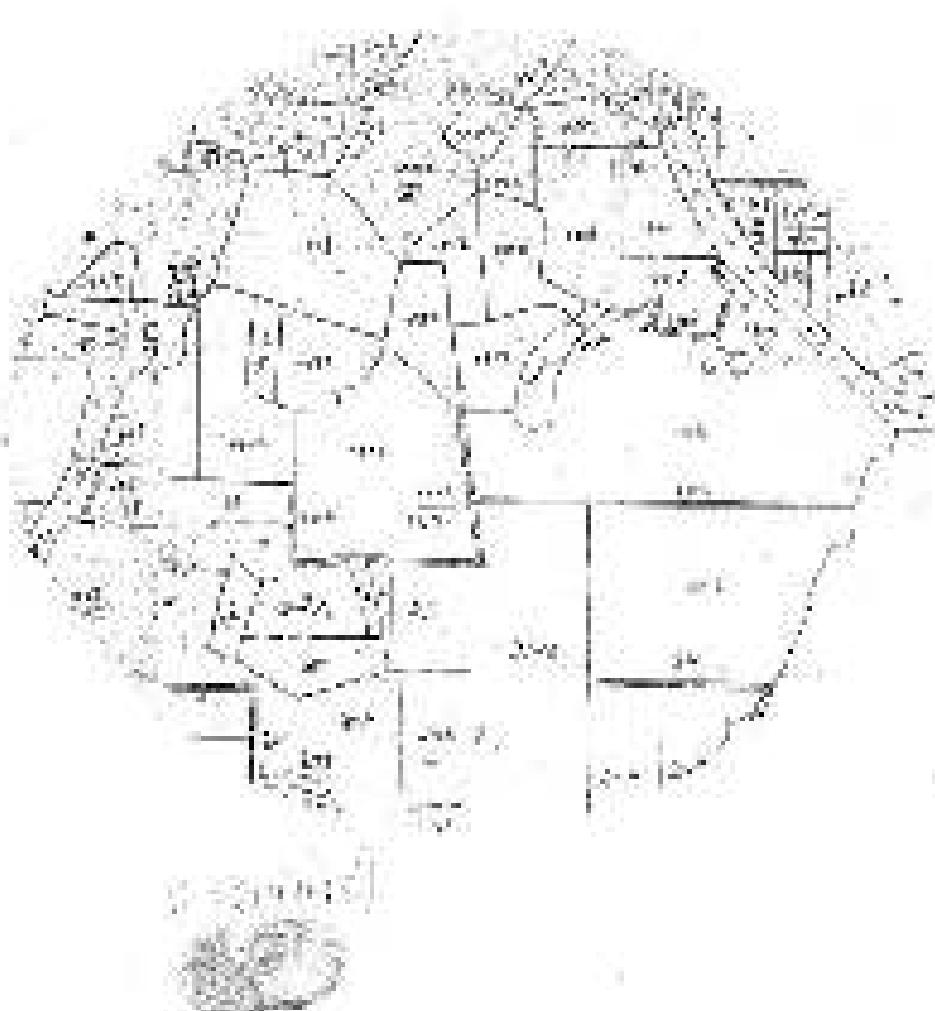
प्राणाली

केना

प्राणाली

(प्राणाली)

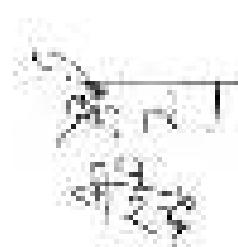
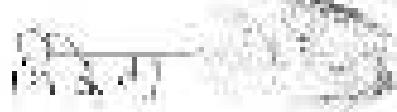
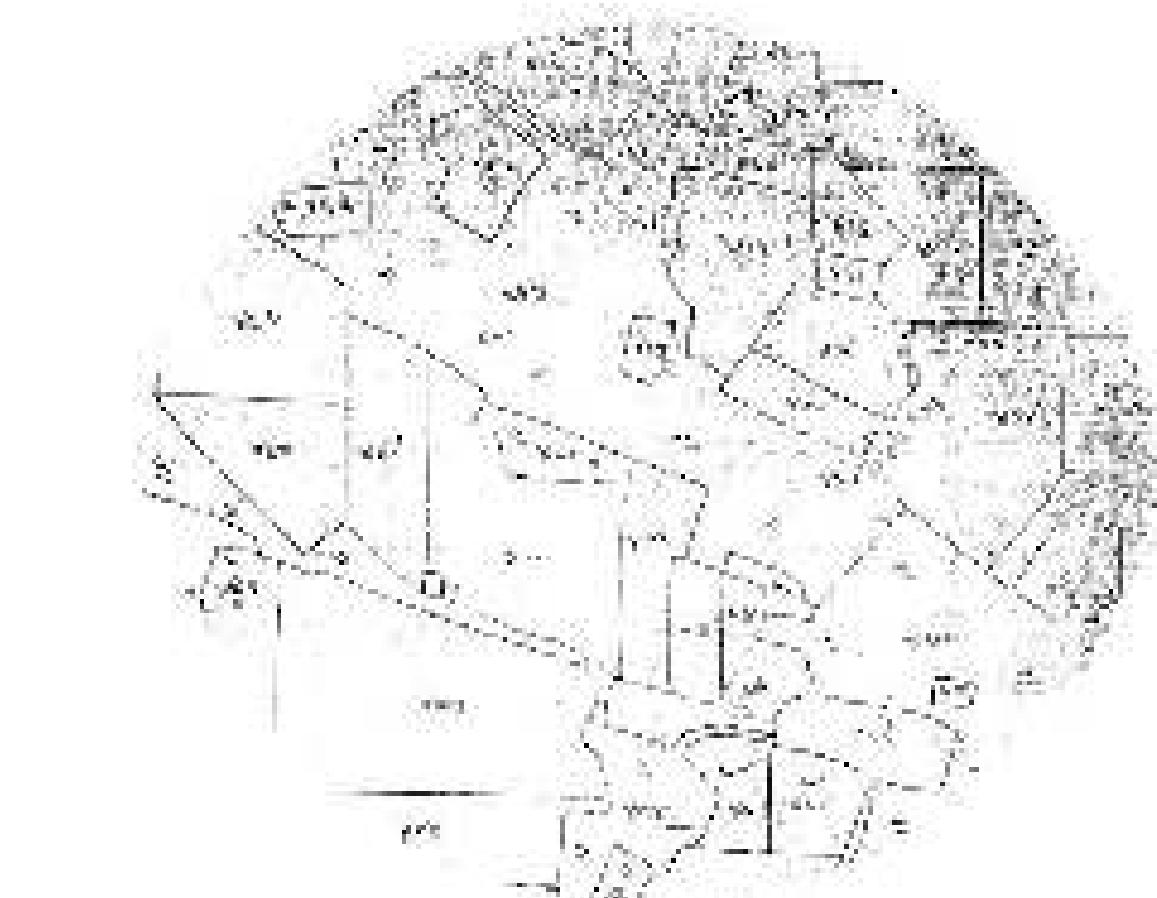
एकलोगिय



1900

1900

1900

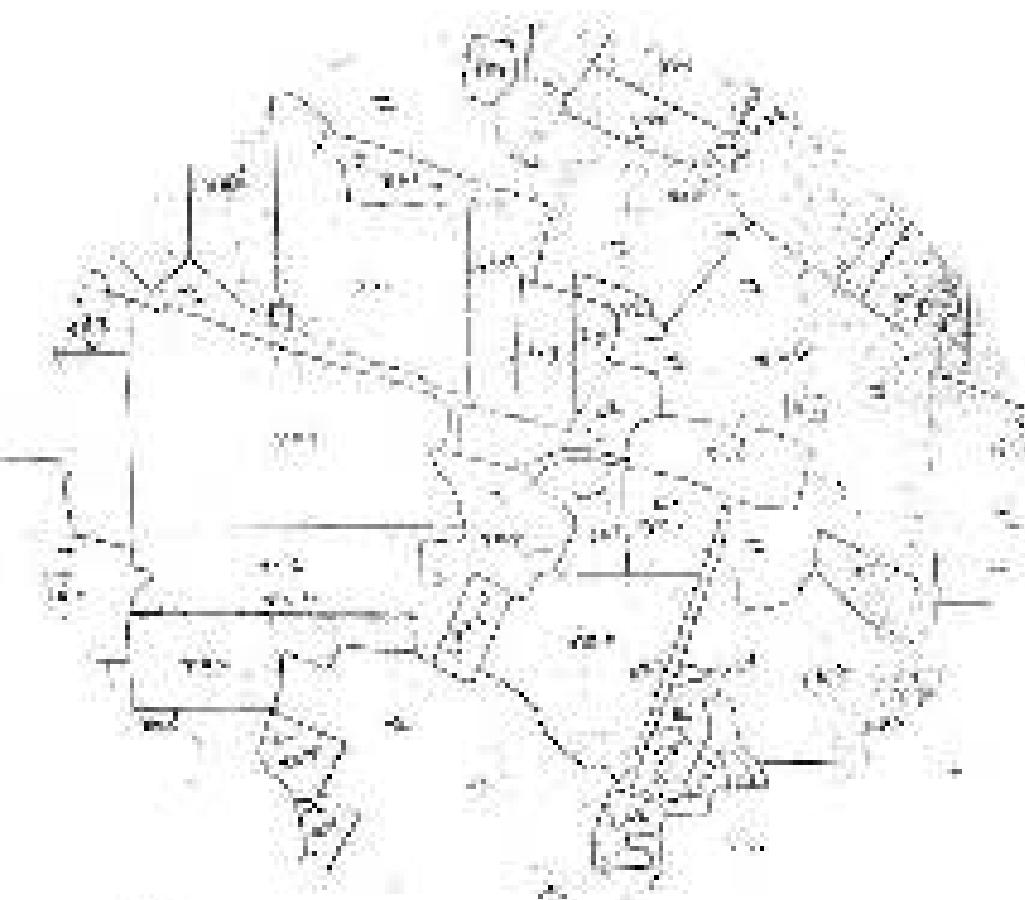


2772617

• निवास अवधि १००
निवास अवधि १००
ज्ञान एवं विज्ञान
काल
प्राचीन
प्राचीन विज्ञान विद्या
१. ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान



एग्जाम
एग्जाम
ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान
ज्ञान एवं विज्ञान

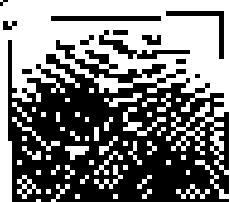


८०.६.५/१ ४२५/०५५१

सुनील गोविंद
कृष्णप्रसाद विक्रम
कुमारी वी शर्मा
कृष्ण
श्रीमती अमृता, विक्रम, लक्ष्मी
श्रीमती वी.
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा ४२५/०५५१
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा ४२५/०५५१

८०.६.५/१

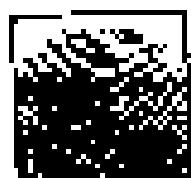
४२५/०५५१ ४२५/०५५१ ४२५/०५५१



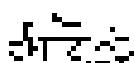
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद (वासी)
श्रीमती वी.
४२५/०५५१

कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा ४२५/०५५१ वा.४२५/०५५१

विक्रम
कृष्णप्रसाद विक्रम
कृष्णप्रसाद वी कृष्ण
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा



कृष्णप्रसाद विक्रम
कृष्णप्रसाद वी कृष्ण
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा



कृष्णप्रसाद विक्रम
कृष्णप्रसाद वी कृष्ण
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा



कृष्णप्रसाद विक्रम
कृष्णप्रसाद वी कृष्ण
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा



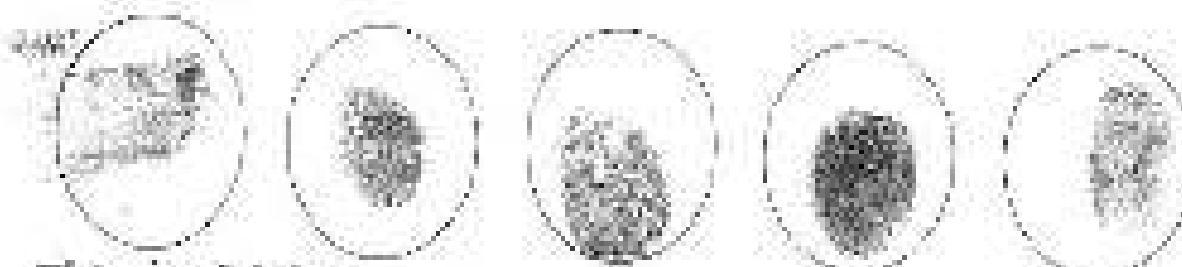
कृष्णप्रसाद विक्रम
कृष्णप्रसाद वी कृष्ण
कृष्णप्रसाद
कृष्णप्रसाद विक्रम शर्मा



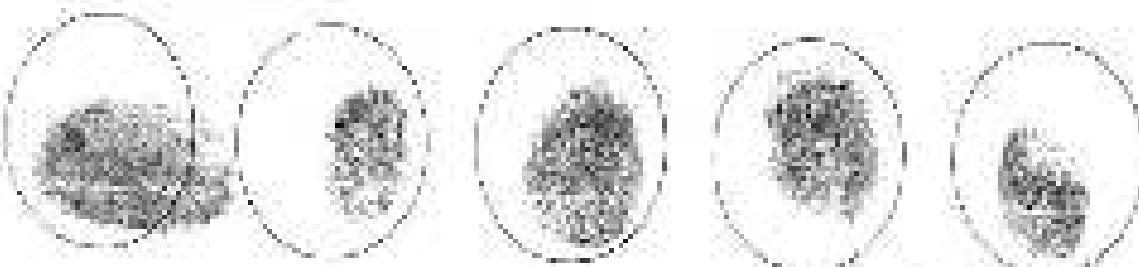
गोदावरी शैक्षण विधि विद्यम् 1908 की शत 37 - २८ वे उपाल-
ही भूषण विद्यम्

प्राचीन गोदावरी विद्यम्

गोदावरी विद्यम् देखना:



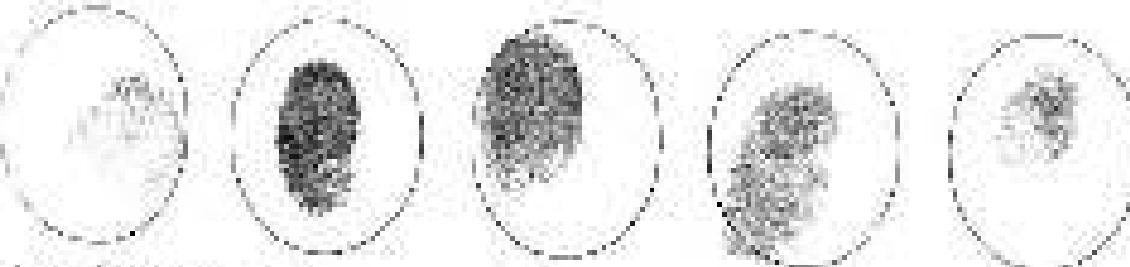
गोदावरी विद्यम् देखना:



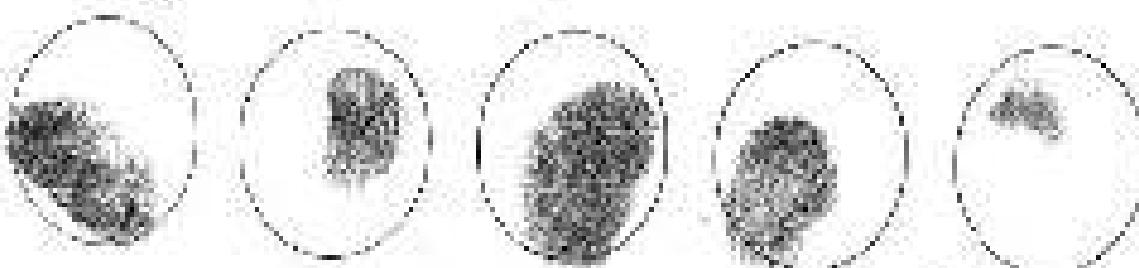
गोदावरी विद्यम् देखना:

गोदावरी विद्यम् देखना:

गोदावरी विद्यम् देखना:



गोदावरी विद्यम् देखना:



गोदावरी विद्यम् देखना:

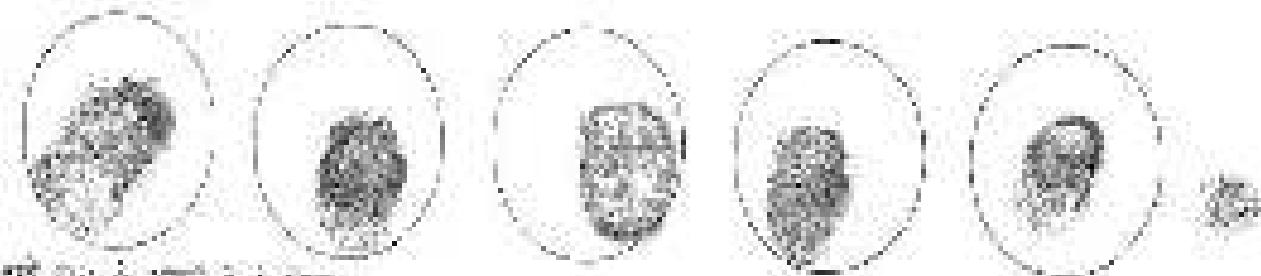
FIGURE

Sample No.	Date	Year	Spec. No.	?
W101	1978	1978		
	July			
	1978			
	1978			
W102	1978	1978		
	July			
	1978			
	1978			
W103	1978	1978		
	July			
	1978			
	1978			
W104	1978	1978		
	July			
	1978			
	1978			

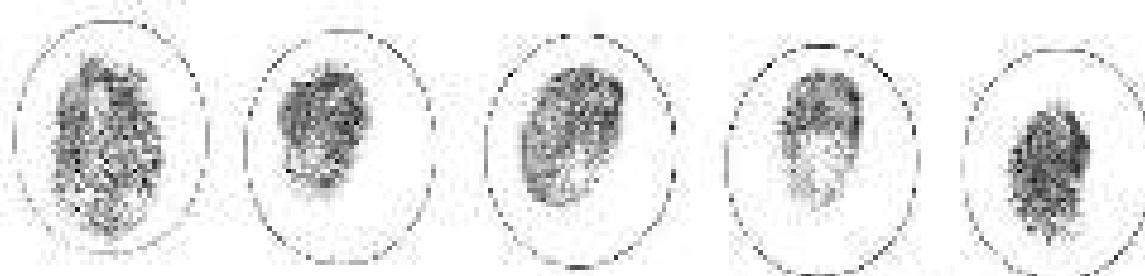
गोवर्द्धन आधिकार्यम् 1908 की धारा 32 - ३. निपुणता
के लिए प्रेमसु

प्राप्ति विवरण १०००

पाँच लाख रुपये का अनुदान



पाँच लाख का अनुदान का अनुदान

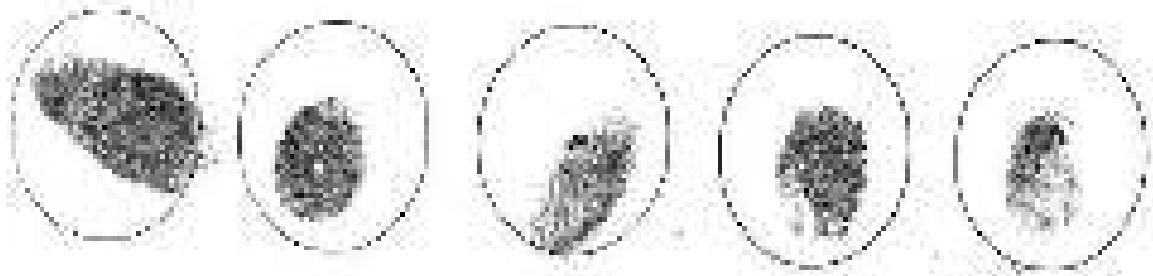


प्राप्ति विवरण का अनुदान

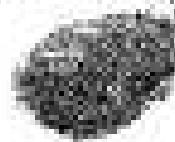
२००८ का अनुदान



पाँच लाख का अनुदान का अनुदान



प्राप्ति विवरण का अनुदान



प्रकाशनका

संख्या

१२८६

प्रकाशन

ग्रन्थालय विभाग

मानव

वर्ष

१९८७

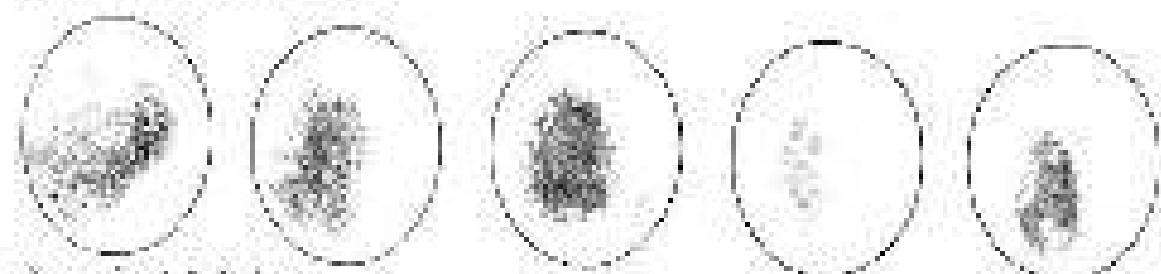
लेखक



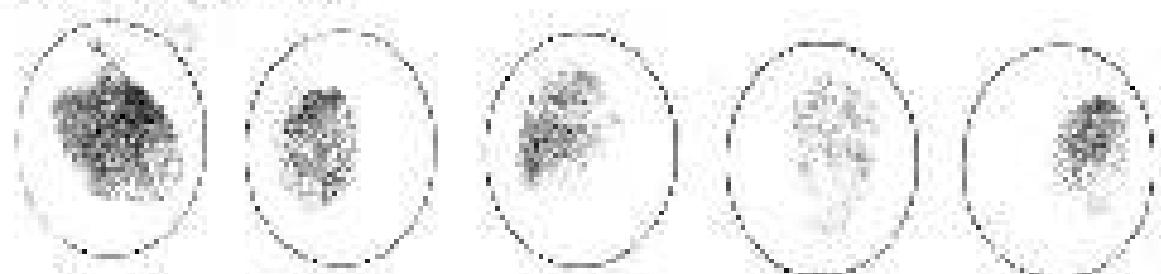
राजस्थान अधिनियम 1908 की धरा 32 - ए के अनुसालन
देश किसी प्रेस

प्रत्यक्ष विभिन्न रूपों का दर्शन :

विभिन्न रूप के अनुसालन के लिए -



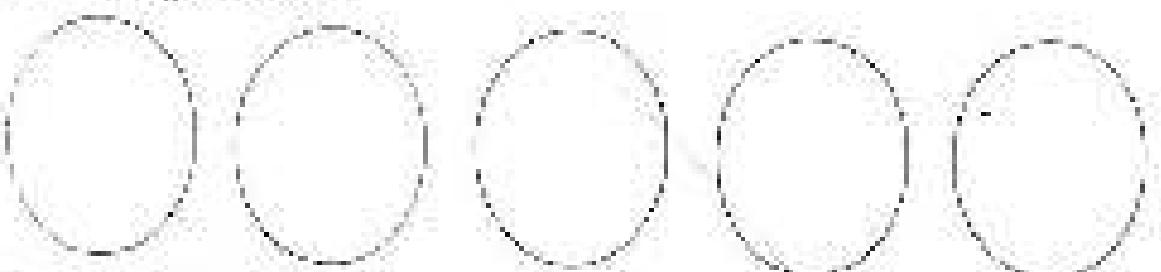
अनुसालन के लिए इन रूपों का उपयोग हो सकता है।



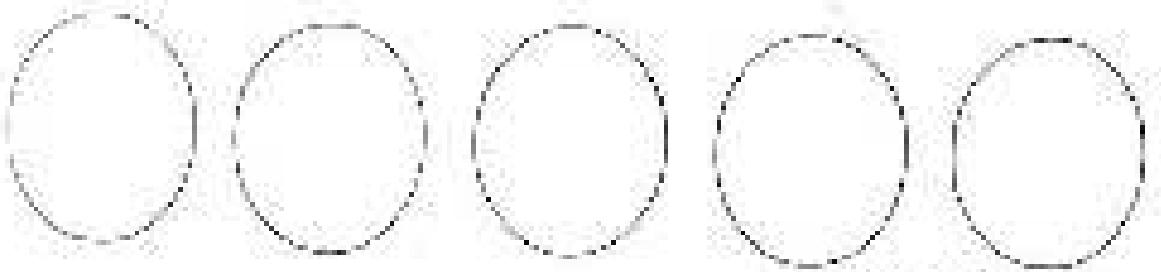
अनुसालन के लिए इन रूपों का उपयोग हो सकता है।

प्रत्यक्ष विभिन्न रूपों का उपयोग हो सकता है।

विभिन्न रूप के अनुसालन के लिए -



विभिन्न रूप के अनुसालन के लिए -



विभिन्न रूप के अनुसालन

आता दिनांक 02/07/2007 की

कर्ता पा. 1 रुपये 8459

भुज ना. 89 रो. 134 ग्रा. गोवा 6299

गोपनीय संस्कृत विद्यालय

एवं मे परिचय

अब नियमनक (प्रधान)

लक्ष्मण

गोपनीय